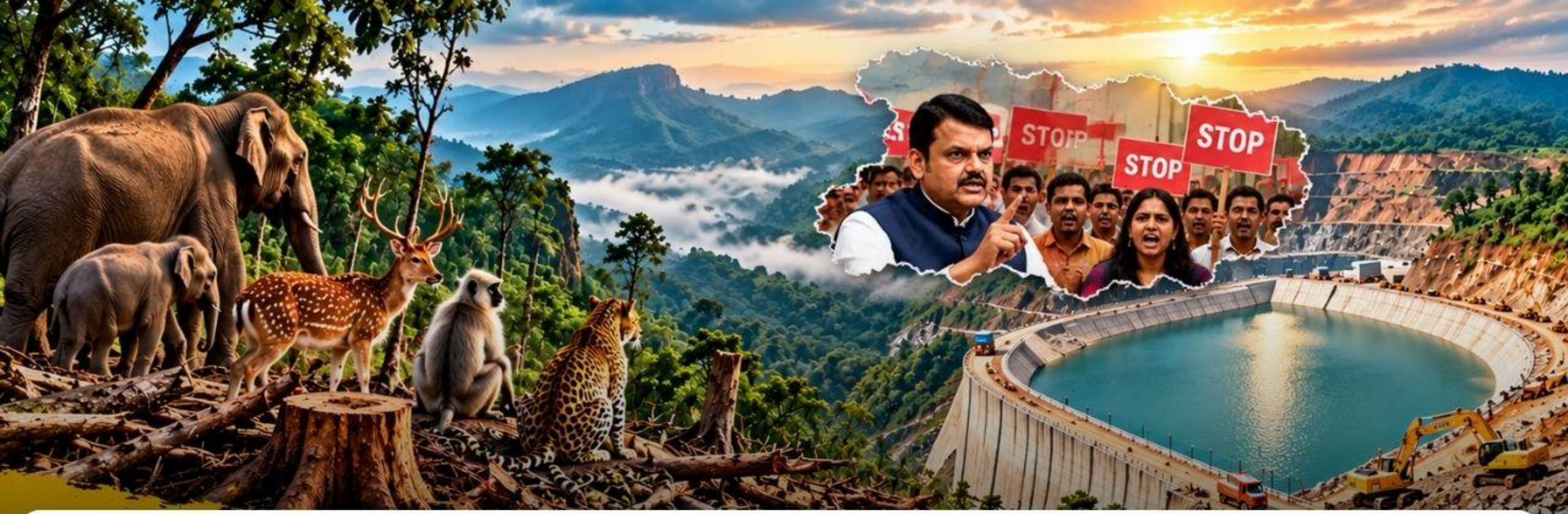


सह्याद्री का सौदा ? | Karjat Pump Storage

एक और क्षेत्र का पर्यावरण विनाश ?

BY - SUNIL VERMA SIR

Navbharat Live

EXPLAINER: क्या इको- फ्रेंडली है कर्जत पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट? जानें परियोजना की इनसाइड स्टोरी और पूरा विवाद

Karjat Pump Storage Project: कर्जत पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट पर छिड़े विवाद की इनसाइड स्टोरी...

3 days ago



Facebook

BBC News हिन्दी. . महाराष्ट्र में रायगढ़ ज़िले के कर्जत में रहने वाले लोग और पर्यावरण कार्यकर्ता टोरेंट पावर के पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट के लिए पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे हैं. उनका कहना है कि इ

2 days ago



Navbharat Live

कर्जत पहुंचे राज ठाकरे का बड़ा ऐलान, पर्यावरणविदों को बुलावा, बोले- देखता हूं हाइड्रो परियोजना कैसे थोपते हैं

Raj Thackeray Karjat Rally: रायगड के कर्जत में टोरेंट पावर की जलविद्युत परियोजना के खिलाफ...

3 days ago



Navbharat Live

टोरेंट प्रोजेक्ट को लेकर मनोज जरांगे पाटिल का सरकार पर हमला, सह्याद्रि पर्वत श्रृंखला को बचाने की भरी हुंकार

Manoj Jarange On Torrent Project: मराठा नेता मनोज जारांगे ने टोरेंट प्रोजेक्ट के लिए काटे जा...

2 days ago



Navbharat Live

भीमाशंकर टोरेंट पावर प्रोजेक्ट पर घमासान, 90 हजार पेड़ काटने का दावा, राज ठाकरे करेंगे जनसभा

Karjat Torrent Power Project: रायगढ़ के कर्जत में टोरेंट पावर की जलविद्युत परियोजना को...

3 days ago



Navbharat Live

महाराष्ट्र में सूखे के बीच जंगल की कटाई, टोरेंट ग्रुप के 13500 करोड़ के हाइड्रो प्रोजेक्ट पर मनसे ने उठाए सवाल

Raigad Forest Tree Felling: रायगड के कर्जत में टोरेंट ग्रुप के हाइड्रोइलेक्ट्रिक...

6 days ago



The New Indian Express

Fadnavis defends Raigad pumped-storage project amid opposition over plan to fell 50,000 trees

Villagers in Karjat alleged that the project had been pushed through without the consent of residents and their respective gram panchayats.

4 days ago



Newslaundry

A pristine forest, wildlife, over 32,000 trees at risk: Anger grows over Torrent project in Maharashtra

Anger is growing in Maharashtra's Raigad district against a 3,000 MW pumped-storage project being built by the Torrent Group in Karjat,...

3 days ago



Vajiram & Ravi

Saidongar-1 Project: Tree Cutting Row, 3,000 MW Plan

Activists question tree cutting for Maharashtra's 3000 MW Saidongar-1 pumped storage project. Explore its location, capacity and...

5 days ago



Power Peak Digest

Torrent Power defends Karjat pumped storage project on tree felling concerns

Torrent Power says its 3000 MW Karjat pumped storage project is outside Bhimashankar Wildlife Sanctuary and its eco-sensitive zone.

5 days ago



Deccan Herald

Manoj Jarange backs protests against 32,490 tree felling for Raigad power project

Karjat project: Maratha campaigner Manoj Jarange Patil joins political leaders opposing the felling of trees for the Torrent Power...

2 days ago



The Economic Times

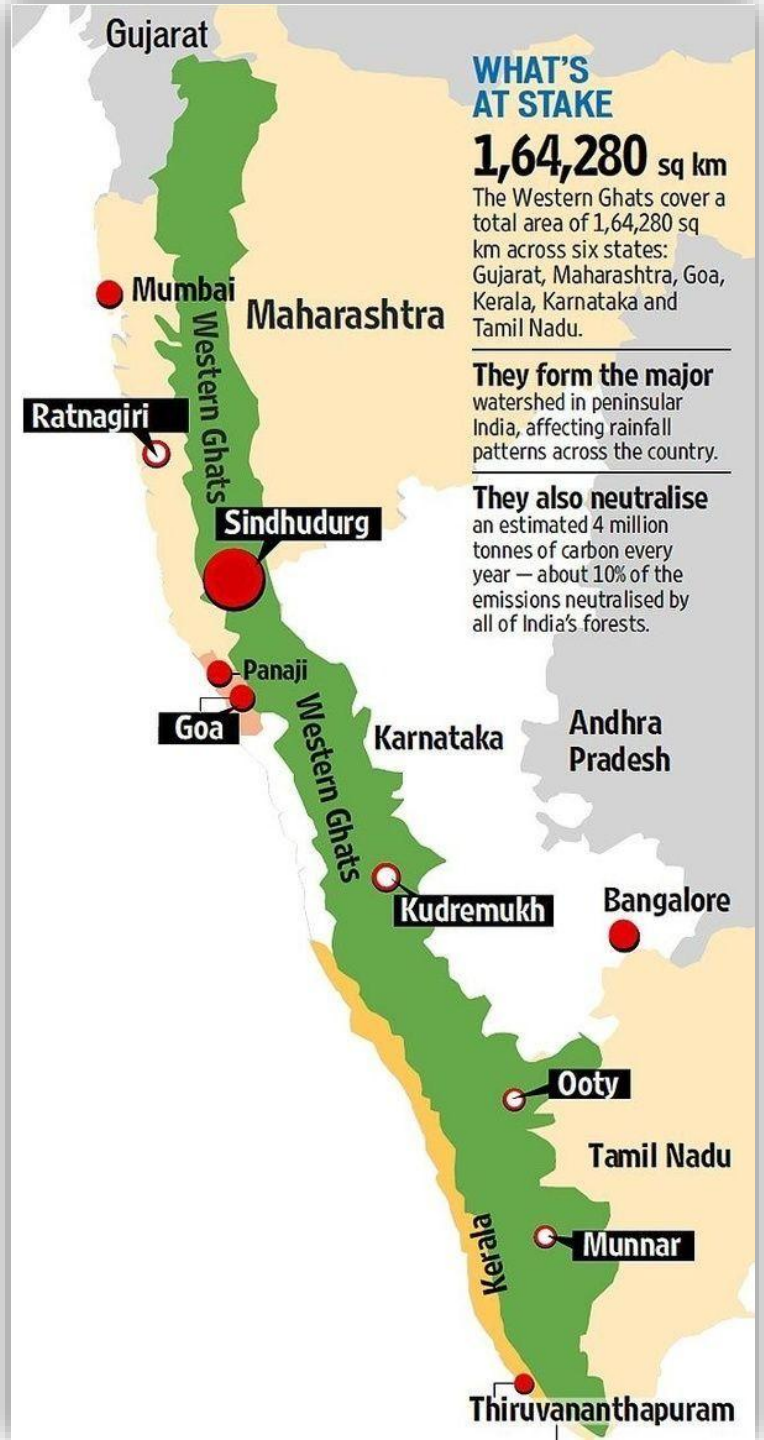
Karjat project sparks Maharashtra political faceoff as thousands of trees are cut for 3,000 MW plant

A significant controversy emerged in Maharashtra due to tree cutting for Torrent Power's energy project. Locals and activists oppose the...

4 days ago




भारत
जम्मू-कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
पंजाब
हरियाणा
उत्तराखंड
दिल्ली
राजस्थान
उत्तर प्रदेश
बिहार
गुजरात
मध्य प्रदेश
झारखंड
पश्चिम बंगाल
छत्तीसगढ़
महाराष्ट्र
ओडिसा
तेलंगाना
आंध्र प्रदेश
कर्नाटक
तमिलनाडु
केरल
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
हिंद महासागर
मुंबई
मुंबई - पुणे एक्सप्रेसवे
कर्जत पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट (सैड़ोंगर-1)
भीमाशंकर वन्यजीव अभयारण्य
भीमाशंकर मंदिर
15.53 - 16 किमी
20 किमी
सैड़ोंगर
कर्जत
पोतल
अंबोट
ढाक
NH 48
खोपोली
पुणे
पेज नदी
N
0 5 10 किमी



WHAT'S AT STAKE

1,64,280 sq km

The Western Ghats cover a total area of 1,64,280 sq km across six states: Gujarat, Maharashtra, Goa, Kerala, Karnataka and Tamil Nadu.

They form the major watershed in peninsular India, affecting rainfall patterns across the country.

They also neutralise an estimated 4 million tonnes of carbon every year — about 10% of the emissions neutralised by all of India's forests.

Karjat Pump Storage Controversy Torrent Power Maharashtra:

महाराष्ट्र के **रायगढ़ जिले** में **सह्याद्री की पहाड़ियों** के बीच स्थित **कर्जत तहसील** में प्रस्तावित **3,000 MW** के **सैडोंगर-1 कर्जत पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट** को लेकर **राज्य में बड़ा राजनीतिक और पर्यावरणीय विवाद** छिड़ गया है।



1. क्षेत्र एवं क्षेत्रफल:

- यह मेगा प्रोजेक्ट **महाराष्ट्र** के **रायगढ़ जिले** की **कर्जत तहसील** के अंतर्गत **सैडोंगर, पोतल, अंबोट, और ढ़ाक** जैसे गांवों के पहाड़ी क्षेत्रों में बनाया जा रहा है। इस परियोजना के लिए कुल **377 हेक्टेयर** भूमि (लगभग **3.77 वर्ग किलोमीटर**) की आवश्यकता है, जिसमें लगभग **233 हेक्टेयर वन भूमि (फॉरेस्ट लैंड)** शामिल है।



1. जैव विविधता (Biodiversity):



- यह पूरा क्षेत्र **पश्चिमी घाट (Sahyadri Range)** की पारिस्थितिक रूप से बेहद संवेदनशील पहाड़ियों में स्थित है और पास ही **भीमशंकर वन्यजीव अभ्यारण्य** मौजूद है। यहां पाई जाने वाली जैव विविधता में मुख्य रूप से महाराष्ट्र का राज्य **पशु 'शेकरू' (इंडियन जायंट स्क्विरेल या विशाल गिलहरी), तेंदुए, हिरण, विभिन्न प्रकार के दुर्लभ पक्षी, सरीसृप (Reptiles)** और **मूल्यवान औषधीय वनस्पतियां** शामिल हैं।



2. वहाँ रहने वाले लोग और आदिवासी समुदाय:



- इस पहाड़ी और वनाच्छादित क्षेत्र में मुख्य रूप से स्थानीय **आदिवासी और ग्रामीण समुदाय** (जैसे ठाकर और अन्य स्थानीय जनजातियों) निवास करते हैं, जिनकी आजीविका पूरी तरह से **पारंपरिक खेती, जंगल के उत्पादों और स्थानीय जल स्रोतों** पर निर्भर है।



3. सरकार का पक्ष बनाम विपक्ष और पर्यावरण प्रेमियों का विरोध:



- एक तरफ जहां **मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस** और **टॉरेंट पावर** इसे **महाराष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा** और **ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन** के लिए बेहद जरूरी और पर्यावरण-अनुकूल बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल और स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों ने **32,000 से अधिक पेड़ों की कटाई** और **सह्याद्री के इकोसिस्टम के विनाश** का आरोप लगाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।



1. क्या है कर्जत पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट?

- कर्जत पंप स्टोरेज परियोजना का निर्माण **टॉरेंट पावर** द्वारा किया जा रहा है। **₹13,505.15 करोड़** की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट **भारत के सबसे बड़े पंप स्टोरेज प्लांट** में से एक होगा।
- टॉरेंट पावर ने महाराष्ट्र में कुल **5.7 GW** क्षमता की **तीन पंप स्टोरेज परियोजनाओं** के लिए राज्य सरकार के साथ समझौता किया है, जिसमें कुल **₹27,000 से ₹30,000 करोड़** का निवेश शामिल है।



2. यह तकनीक कैसे काम करती है?

- पंप स्टोरेज जलविद्युत परियोजनाएं एक **विशाल वॉटर बैटरी** की तरह काम करती हैं।

नॉन-पीक आवर्स:

- जब **सौर** या **पवन ऊर्जा** का उत्पादन **अधिक** और **बिजली की मांग कम** होती है, तब अतिरिक्त बिजली का उपयोग करके **निचले जलाशय** से पानी को **ऊपरी जलाशय में पंप** किया जाता है।

पीक आवर्स:

- जब शाम को या **मांग बढ़ने** पर **बिजली की आवश्यकता** होती है, तो ऊपरी जलाशय से पानी को नीचे छोड़कर **रिवर्सिबल टर्बाइनों** के माध्यम से तुरंत **स्वच्छ जलविद्युत** उत्पन्न की जाती है।



क्या यह परियोजना एनवायरमेंट फ्रेंडली है?

मुख्यमंत्री **देवेंद्र फडणवीस** और **टॉरेंट पावर** के अनुसार, यह परियोजना थर्मल आधारित बिजली पर निर्भरता घटाने के लिए पूरी तरह **पर्यावरण-अनुकूल** है। इसके कई प्रमुख पर्यावरणीय लाभ मिलते हैं।





1. स्वच्छ बिजली उत्पादन:

- यह संयंत्र प्रतिवर्ष औसतन **6,241.5 मिलियन यूनिट (GWh) स्वच्छ बिजली** का उत्पादन करेगा।



2. कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी:

- कोयला आधारित बिजली उत्पादन की तुलना में इससे प्रतिवर्ष लगभग **4.55 से 5.85 मिलियन टन CO2** का उत्सर्जन टलेगा। यह वार्षिक रूप से लगभग **10 लाख कारों** को सड़क से हटाने के बराबर है।



3. कोयले और पानी की बचत:

- परियोजना से प्रतिवर्ष **4.33 से 4.6 मिलियन टन कोयले** की खपत बचेगी और **19.7 अरब लीटर कूलिंग वाटर की बचत** होगी। यह पानी लगभग **4 लाख लोगों** की वार्षिक जरूरतों को पूरा कर सकता है।



4. ओपन-लूप पुनर्चक्रण:

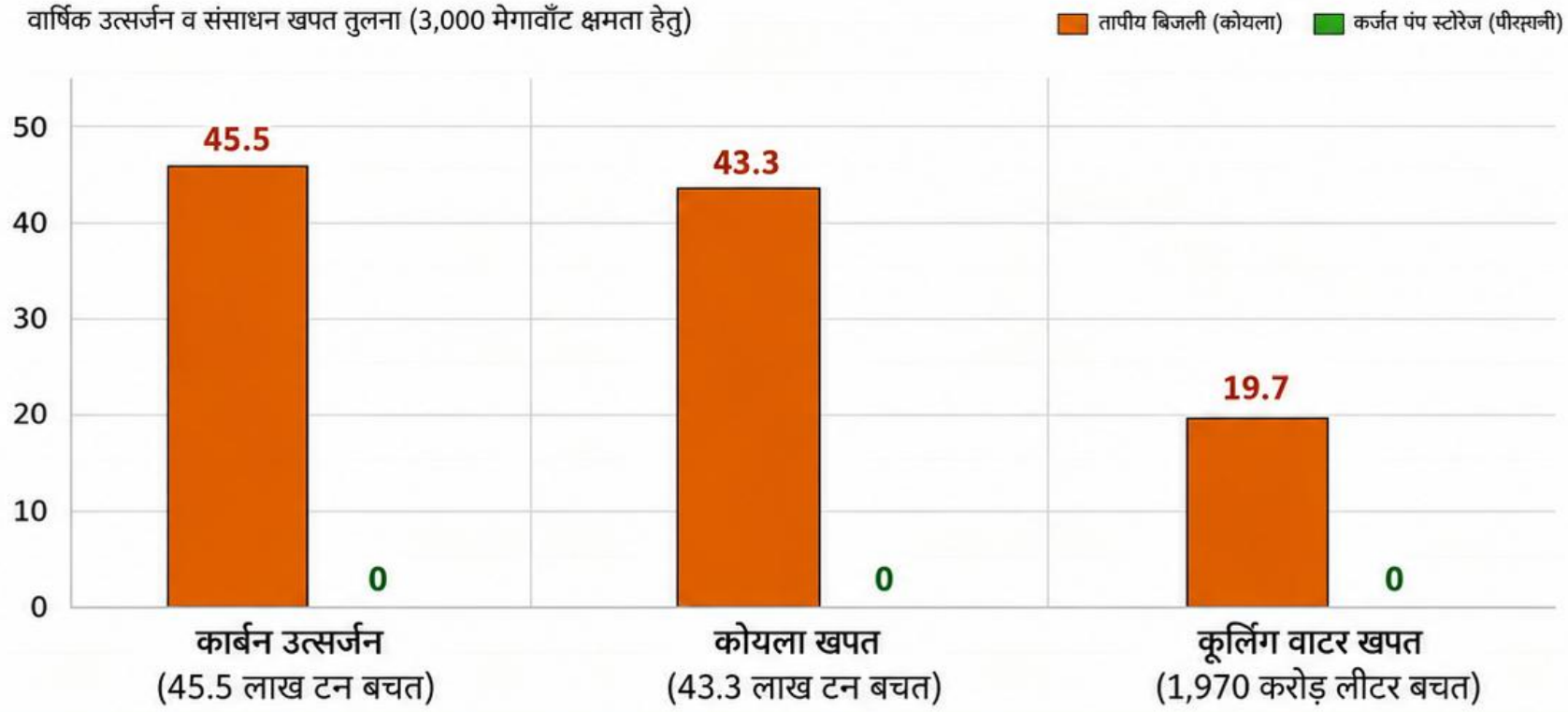
- परियोजना में दो जलाशयों के बीच **14.77 MCM** जल का **नॉन- कंस्म्पटिव री-सर्क्यूलेशन** किया जाएगा, जिससे बार-बार नए पानी की आवश्यकता नहीं होगी।



तुलनात्मक विश्लेषण: पर्यावरणीय प्रभाव

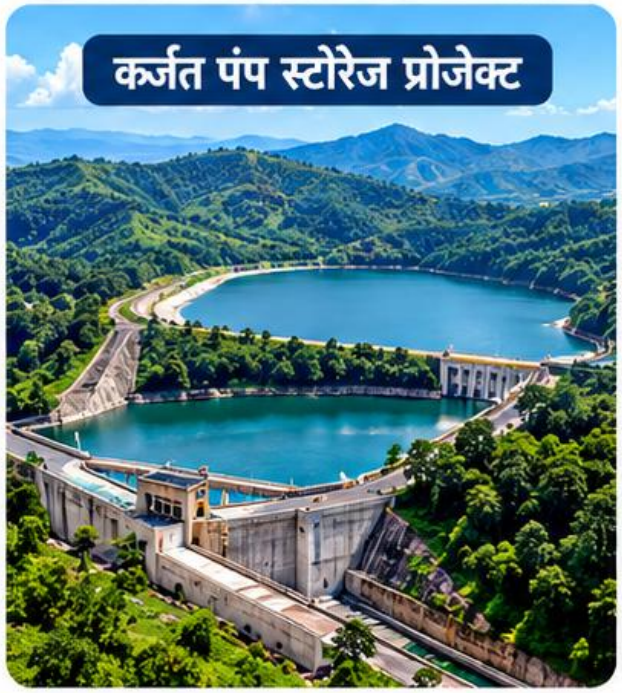
तापीय बिजली (थर्मल) बनाम कर्जत पंप स्टोरेज: पर्यावरणीय प्रभाव तुलना

वार्षिक उत्सर्जन व संसाधन खपत तुलना (3,000 मेगावॉट क्षमता हेतु)



यह तुलनात्मक चार्ट दर्शाता है कि **3,000 मेगावॉट** क्षमता की समान तापीय बिजली (कोयला आधारित) की तुलना में कर्जत पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट **शून्य कोयला खपत, शून्य CO_2 उत्सर्जन और शून्य कूर्लिंग वाटर खपत** के साथ वार्षिक **45.5 लाख टन CO_2 और 1,970 करोड़ लीटर पानी** बचाता है।





क्या है विवाद की असली वजह?

पर्यावरण कार्यकर्ताओं और **विपक्षी नेताओं** ने परियोजना के स्थल **चयन** और **वनों की कटाई** पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

1. 32,490 से अधिक पेड़ों की कटाई:

- इस परियोजना के लिए कुल **377 हेक्टर** भूमि की आवश्यकता है। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा **233 हेक्टर वन भूमि** के डायवर्जन और **32,490 पेड़ों** को काटने की अनुमति जारी की गई है। विपक्षे का आरोप है कि वास्तविक रूप से काटे जाने वाले पेड़ों की संख्या **लाखों तक** पहुंच सकती है।



2. जैव विविधता और वन्यजीवों पर प्रभाव:

- यह क्षेत्र महाराष्ट्र के राज्य प्राणी **शेकरू, तेंदुए, हिरण, दुर्लभ पक्षियों, सरीसूपों** और **मूल्यवान औषधीय वनस्पतियों** का प्राकृतिक आवास है। जंगल की कटाई से इनके बेघर होने और मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ने की आशंका है।



3. जल सुरक्षा और आजीविका का संकट:

- पहाड़ी झरनों और स्थानीय नदियों (जैसे **पेज नदी**) के मोड़ने या इस्तेमाल से **ग्रामीण इलाकों और आदिवासियों** की **जल सुरक्षा प्रभावित** होने का खतरा है, जिससे उनकी खेती और दैनिक जीवन पर संकट आ सकता है।



4. भूस्खलन का खतरा:

- पहाड़ियों में सुरंग बनाने और भारी विस्फोटों के कारण पहाड़ों के कमजोर होने और **मालीन या इर्शलवाड़ी** जैसी प्राकृतिक लैंडस्लाइड का जोखिम व्यक्त किया गया है।



सरकार का स्पष्टीकरण और क्षतिपूर्ति योजना

1. परियोजना की स्थिति और दूरी

विरोध प्रदर्शनों के बीच **मुख्यमंत्री देवेंद फडणवीस** ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा- यह परियोजना **भीमाशंकर वन्यजीव अभयारण्य** की सीमा से **15.53 से 16 किमी** दूर और **भीमाशंकर मंदिर** से **20 किमी दूर** है, जो **इको-सेंसिटिव ज़ोन (ESZ)** के **बाहर** है।



2. वन भूमि के बदले क्षतिपूर्ति और वृक्षारोपण योजना

- **233 हेक्टर** वन भूमि के बदले टोरेंट कंपनी ने वन विभाग को **253 हेक्टर भूमि** सौंपी है। कंपनी के खर्चे से वन विभाग द्वारा **30,000 पेड़ और** टोरेंट पावर द्वारा साइट पर **60,000 पेड़** मतलब **कुल 90,000 पेड़** लगाए जाएंगे। इसके अलावा मड डंपिंग साइट्स के आसपास **10,000 पौधे** अलग से लगाए जाएंगे।



3. मंजूरी प्रक्रिया और रोजगार के अवसर

- परियोजना को **18 महीने** की विस्तृत वैधानिक जांच, जनसुनावणी और पर्यावरण मंत्रालय की स्वीकृति के बाद ही मंजूरी मिली है। इससे **2,000 लोगों** को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा और बनने वाली पूरी बिजली **महाराष्ट्र को प्राप्त होगी**।



Thanks For Watching

Learn
Share
Grow
Together ♡

Better
Students
Brighter
Tomorrow

Follow us for more Updates

@RRESULTMITRAOFFICIAL

Join our Telegram

@SUNILVERMA_THEIASMENTOR

Follow on Instagram

Result Mitra

Subscribe Now

Stay Connected



